## विश्व माहवारी स्वच्छता प्रबंधन दिवस

विश्व माहवारी स्वच्छता प्रबंधन दिवस 28 मई को हर साल मनाया जाता है। इस दिन लोक चेतना समिति के मुख्य कार्यालय चिरईगांव में किशोरियां तथा युवा महिलाओं के साथ एक कार्यक्रम आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य माहवारी के दौरान स्वच्छता के महत्व पर जागरूकता बढ़ाना और इससे जुडी भ्रांतियों को दूर करना है। कार्यक्रम में चिरईगांव ब्लॉक के 10 ग्राम पंचायत से 50 किशोरियों और युवा महिलाओं की भागीदारी थी। मुख्य प्रशिक्षक और वक्ता के तौर पर संस्था की कार्यकारी निर्देशिका रंजू सिंह ने माहवारी संबंधित भ्रांतियों को लेकर विस्तृत चर्चा की। माहवारी के दौरान किन–किन बातों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, जिससे लोग स्वस्थ रहें और आगे का जीवन खुशहाल रहे इस पर भी विस्तृत चर्चा हुई। उपस्थित किशोरियों ने अपने आसपास और अपने घर में माहवारी के दौरान किस तरीके का भेदभाव और भ्रांतियां व्याप्त है उस अनुभव को ग्रूप में एक दूसरे से साझा कीं। प्रतिभागियों को माहवारी स्वच्छता से संबंधित डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाकर जागरूक किया गया।



## सम्पूर्ण क्रांति दिवस व विश्व पर्यावरण दिवस: "बदलते परिपेक्ष्य में जे पी क्रांति की प्रासंगिकता व प्राकृतिक संरक्षण"

लोक चेतना समिति, चिरईगांव, सभागार में सम्पूर्ण क्रांति दिवस व पर्यावरण दिवस पर, 05 जून को, युवाओं के साथ एक सभा का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का विषय "बदलते परिपेक्ष्य में जे पी क्रांति की प्रासंगिकता व प्राकृतिक संरक्षण" था। याद किया गया कि 5 जून 1974 को लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने पटना के गांधी मैदान में संपूर्ण क्रांति की घोषणा की थी। वर्तमान समय में बदलाव के लिए कोई क्रांति आसान नहीं है। संस्था के सचिव डॉ जयंत ने जे पी जी के संपूर्ण क्रांति के दो मुख्य बिन्दुओं पर,यानि, आर्थिक एवं सामाजिक विषय पर चर्चा करते हुए कहा की जब–जब समाज में असमानता, अन्याय और मानवाधिकार का हनन होता है, क्रांति बदलाव केलिए माध्यम बनता है। साथ ही, पर्यावरण दिवस के अवसर

पर अपनी बात रखते हुए जयंत जी ने बताया कि पर्यावरण हमारे जीवन के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। प्रकृति ने हमें जीने के लिए आवश्यक सभी संसाधन प्रदान किया है, उसकी संरक्षण की जिम्मेदारी हमें लेना होगा। उपस्थित युवाओं ने पर्यावरण के संरक्षण हेतु अपने पंचयत में पेड़ लगाने, जल संचयन अर्थात, वर्षा के पानी को अपने अपने गाँव के तालाब में इकट्ठा करने तथा प्लास्टिक का उपयोग कम करने का संकल्प के साथ सभा का समापन किया गया । कुल 40 किशोर–किशोरियों की भागीदारी रही।

## समूह का क्लस्टर प्रशिक्षण

पिछले तीन माह में 50 समूह के सदस्यों के साथ क्लस्टर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित सभी समूहों की स्थिति जानने को मिला। समूह से जुडने के बाद हुए परिवर्तन एवं प्राप्त लाभ की विस्तृत जानकारी ली गई। महिलाओं का कहना था कि जब समूह नहीं था तो माइक्रो फाइनेंस कंपनियों से 5: से 10: ब्याज पर कर्ज लेती थीं। अब स्वयं अपने जरूरत के लिए समूह से कर्ज लेकर कार्य करती हैं। आपस में लोगों में सहयोग एवं भाईचारा की भावना बढ़ी है । महिलाओं में जागरूकता आई है तथा समाज के बारे में बहुत जानकारी भी मिलती रहती है। उनका कहना है कि समूह से जुड़ी महिलाओं के अंतर जातीय भेद–भाव कम हुआ है। सभी को एक दरी पर बैठने का मौका मिला है। भेद–भाव भूलकर एक दूसरे को तन, मन और धन से सहयोग करती हैं । कई समूह की महिलाओं को स्वरोजगार करने की प्रेरणा मिली है।

## पंचायती राज दिवस

चिरईगांव और चोलापूर ब्लाक के चार ग्राम पंचायतों में ग्राम सभा स्थाई समिति के नेतृत्व में पंचायत दिवस पर सामूहिक बैठक का आयोजन किया गया। इसमें ग्राम प्रधान, पूर्व प्रधान, भावी प्रत्याशी, बीडीसी, वार्ड सदस्य, आशा बहू, आंगनबाड़ी कार्यकत्री, समेत ग्राम सभा के लोगों की भागीदारी रही । बताया गया की पंचायत राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा मिलने की उपलक्ष्य में इस दिन को मनाया जाता है। 24 अप्रैल 1993 में 73वां संविधान संशोधन अधिनियम लागू हुआ था। इसी दिन पंचायत को अधिकार व जिम्मेदारी मिली है। त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था के तहत ग्राम पंचायत सरकार के रूप में काम करेगी। गांव को चलाने के लिए ग्राम प्रधान, वार्ड सदस्य, बीडीसी, जिला पंचायत सदस्य को ग्राम सभा के द्वारा चुना जाएगा। 6 समितियां बनाए गये जिसमें 29 विषय जुड़े हैं।

लोगों के बीच समझ बनाया गया कि पंचायत में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण मिला है जिसके कारण वह प्रधान बीडीसी, ब्लॉक प्रमुख ,जिला पंचायत सदस्य के रूप में चुनकर आती हैं। लोगो से अपील किया गया है, जो अधिनियम में हैं वह जमीनी स्तर पर हो। जोर दिया गया की पंचायत में चयनित महिलाओं को हर जगह सक्रिय भागीदारी करने पर जोर दिया गया ।

## अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस

लोक चेतना समिति चिरईगांव सभागार में 01 मई को मनरेगा संगठन के साथ खंड स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस मनाया गया। यह मनरेगा मजदूरों को अपना अनुभव साझा करने का एक अवसर था। उनका कहना था कि आज के समय में मजदूरों की स्थिति बहुत खराब है। मजदूरों को न समय पर काम मिल पा रहा है और न ही समय पर भुगतान हो पा रहा है। इसलिए सबसे पहले अपने संगठन को मजबूत करने की जरूरत है । यही कारण है कि मजदूरों को अभी 1 वर्ष में 10 से 15 दिन का काम मिल रहा है। मंहगाई चरम सीमा पर है तो कैसे मजदूरों की स्थिति में सुधार होगा। कम से कम 1 दिन की मजदूरी 500 हो और मशीनीकरण बंद हो तभी जाकर मजदूरों की स्थिति में सुधार होगा ।

साथ साथ इसकी भी जानकारी दी गई है कि मजदूरों को श्रम विभाग मे पंजीकरण करते ही 5 लाख की बीमा और बच्चों की पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप, शादी अनुदान, आवास, मातृत्व लाभ, स्वास्थ लाभ, जैसे योजनाओं लाभ मिलने रास्ता बनता है। योजनाओं का लाभ लेने के किन दस्तावेज की आवश्यता होती है। बैठक के बाद मजदूरों ने ब्लॉक पर जाकर खंड विकास अधिकारी को अपनी समस्याओ के साथ साथ मजदूरो की स्थति में

बदलाव हेतु 10 सूत्रीय ज्ञापन उत्तर प्रदेश सरकार को दिये।

## महिला नेतृत्व विकास प्रशिक्षण

14 जून 2025 को लोक चेतना समिति चिरईगांव सभागार में नेतृत्वकर्ता महिलाओं के साथ एकदिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन हुआ। प्रतिभागियों के परिचय के तत्पश्चात उनको पांच ग्रुप में बांटकर सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक परिस्थितियो पर कहानी के द्वारा समझ बताया गया। साथ ही उससे जुड़े प्रश्न पर ग्रूप वार चर्चा करके सभी ने प्रस्तुत किया। उसके बाद, नेतृत्व क्या है और उनके गुण क्या हैं, नेतृत्व कैसे उभरता है, आदि पर प्रशिक्षिका ने प्रकाश डाला। महिलाएं समझदार दिखीं। उसके बाद "घर की मुर्गी" शॉर्ट वीडियो क्लिप के द्वारा महिलाओं को बताया गया कि आत्मनिर्भर होना कितना जरूरी हैं। जब महिलाये आर्थिक रूप से मजबूत होती हैं तो उनका सामाजिक और राजनैतिक स्तर भी अच्छा होता है। प्रशिक्षण में 16 ग्राम पंचायत से 45 महिलाओं की भागीदारी रही। मुख्य प्रशिक्षिका के रूप में रंजू , पूजा, चारू माला जी थीं।

## ईद और होली मिलन पर सर्व धर्म प्रार्थना सभा

लोक चेतना समिति के मुख्य कार्यालय के सभागार मे ईद और होली के पुण्य पर्व के अवसर पर सर्वधर्म समभाव समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अलग–अलग धर्म से आए अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के माध्यम से किया गया। संस्था के सचिव डॉक्टर जयंत ने इंगित किया किस प्रकार आज समाज मे आपसी भाईचारा और प्रेम कम होता जा रहा है, और इसे बनाये रखना बहुत बड़ी चुनौती है। इस मिलन समारोह में विभिन्न धर्म के लोग तथा वरिष्ठ सामाज सेवी और विशिष्ट शांति प्रिय लोग उपस्थित थे, जैसे, डॉक्टर आरिफ, मूसा जी, फादर अभिष्कतानंद, भंते जी, कुदसिया शमीम, नंदलाल, बल्लभ भाई और अन्य लोग। सभी ने अपनी बात में रेकांकित किया कि, शांति, सद्भावना, प्रेम और समानता सभी मानव जाति के लिए महत्वपूर्ण है। सभी के प्रति सम्मान और सहिष्णुता का भाव रखना, सभी धर्मों को समान सम्मान देना और सभी धर्मों को समान रूप से स्वीकार करना ही मानव धर्म है। जब धार्मिक कट्टरता और सांप्रदायिकता बढ़ता है प्रेम और सद्भाव खत्म हो जाता है। इस मिलन समारोह में चेतना छात्रावास की बच्चियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में शिक्षक, प्रधान और ग्रामीण लोगों की भागीदारी रही।

## डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती पर संगोष्ठी

चिरईगांव ब्लॉक के ग्राम पंचायत नेवादा, शंकरपुर में ग्राम सभा स्थाई समिति, युवा संगठन के नेतृत्व में, "डॉ भीमराव आंबेडकर एवं संवैधानिक समान निर्माण" के विषय पर डॉ. भीमराव अंबेडकर जी का 134 वाँ जयंती मनाया गया। उपस्थित स्थानीय वक्ताओं ने उपरोक्त विषय को ध्यान में रखते हुए अपना–अपना विचार व्यक्त किए। सामाजिक समानता, न्याय एवं समभाव के निर्माण केलिए बाबा साहब ने काफी संघर्ष किया, विशेषकर सामाजिक कुरीतियों को मिटाने के लिए, जैसे, छुआछूत, असमानता, अन्याय एवं अत्याचार। कमजोर वर्गों के अधिकार के लिए आंदोलन चलाये। बाबा साहब का सपना था हमारा भारत ऐसा हो जहा हर व्यक्ति को समान अधिकार मिले, बराबरी का सम्मान हों चाहे वह किसी भी जाति–धर्म का क्यों न हो ।

## अंबेडकर पखवाड़ा

डा. अंबेडकर जी के विचारों को जीवित रखने, उनके प्रासंगिकता को प्रकाशित करने तथा समाज में समानता एवं न्याय के दीप जलाने के उद्धेश्य से 14–19 अप्रैल तक, एलसीएस के कार्य स्थल के 40 ग्राम पंचायतों में एक सप्ताह का पखवाड़ा के तहत विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें महिला, किशोरी, युवा और पुरुष की भागीदारी रही। बाबा साहब के विचारों को लेकर लोगों के बीच एक बेहतरीन संवाद का मौका मिला संविधान की उद्देशिका पर समझ बनाया गया। समानता, समता, स्वतंत्रता, बंधुत्व, न्याय को लेकर विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। लोक चेतना समिति के प्रयास को लोग सराहना किए।

## किशोरियों का एक दिवसीय आत्मविश्वास प्रशिक्षण

26 अप्रैल 2025 को लोक चेतना समिति चिरईगांव के सभागार में किशोरियों का एकदिवसीय आत्मविश्वास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण की शुरुआत कुछ सवालों के ग्रूप चर्चा के साथ किया गया, जैसे, आत्मविश्वास क्या है, अपनी–अपनी ताकत व कमजोरी क्या है, आदि। ग्रुप वार चर्चा कर प्रस्तुत किया गया । सुश्री रंजू सिंह मुख्य प्रशिक्षिका थीं। किशोरियों के कुछ खास आत्मविश्वास की कमी सामने आया। इसपर ध्यान आकर्षित करते हुए, आत्मविश्वास कैसे बढ़ेगा इस पर विस्तृत जानकारी देने के साथ समझ बनाया गया। साथ ही आत्मविश्वास को बढ़ाने, सकारात्मक सोच को अपने अंदर बोने, कमियों को पहचानना और उन्हें कैसे दूर किया जाय, इन तमाम बातों को ग्रूप चर्चा, विडियो क्लिप के द्वारा समझ बनाया गया। प्रशिक्षण को रोचक और प्रभावशाली बनाने हेतु खेल और गीत को माध्यम बनाया गया । प्रशिक्षण में 17 ग्राम पंचायत से 45 किशोरियां भागीदारी रही हैं।

## समूह की महिलाओं का स्वरोजगार–आजीविका

समूह की महिलाओं को गरीबी, बेरोजगारी, एवं आर्थिक संकट से ऊपर उठाने हेतु उनको स्वरोजगार करने के लिए प्रेरित किया गया। पिछले तीन माह में आठ महिलाएं समूह से कर्जा लेकर अलग– अलग काम शुरू की हैं ।

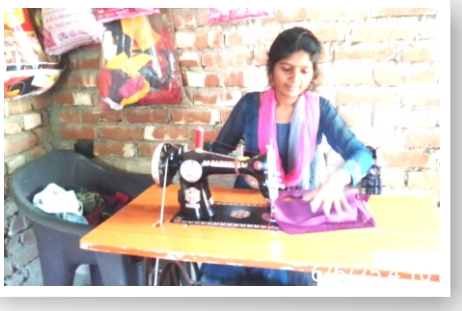

| क्रम. स. | नाम | ब्लॉक | पंचायत | समूह | कर्ज | काम का प्रकार |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | शक्ति राय | चिरईगांव | नेवादा | सुमन | 15000 | कॉस्मेटिक की दुकान |
| 2 | होशिला देवी | चिरईगांव | उक्थी | राज | 10000 | सब्जी और फल की दुकान |
| 3 | ममता | चिरईगांव | विशुनपुरा | खुशी | 7000 | सिलाई मशीन लेकर सिलाई |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | मीरा | चोलापुर | परानापट्टी | आरजू | 5000 | टॉफी बिस्किट की दुकान |
| 5 | सुशीला | चिरईगांव | शियों | नैन्सी | 10000 | टॉफी बिस्किट की दुकान |
| 6 | संध्या | चोलापुर | चौबेपुर्खुर्द | दिशा | 2000 | टॉफी बिस्किट की दुकान |
| 7 | गीता | चिरईगांव | तोफापुर | विकास | 4000 | टॉफी बिस्किट की दुकान |
| 8 | मीरा | चिरईगांव | बर्थराखुर्द | रौशनी | 5000 | टॉफी बिस्किट की दुकान |

## महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग की छात्राओं का इंटर्नशिप का अनुभव

काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय में समाज कार्य विभाग में अध्ययन कर रही निधि सिंह और अभिलाषा चौबे ने फरवरी से मई 2024 तक 45 दिन का फील्ड वर्क लोक चेतना समिति के साथ की हैं। आप दोनों ने फील्ड वर्क में लोक चेतना समिति द्वारा संचालित संगठन, समूह, ग्राम पंचायत विकास के कार्य के साथ साथ ब्लाक और क्लस्टर स्तर पर आयोजित सभी कार्यक्रमों में सक्रीय भागीदारी और सहयोग बेहत्तर तरीके से की हैं। उनको संस्था सराहना करती है तथा अपनी पढ़ाई और उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

## टाटा इंस्टीट्यूट के स्नातकोत्तर का अनुभव

मैं, कीर्ति, वर्तमान में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस), मुंबई, में सामाजिक कार्य (महिला–केंद्रित प्रैक्टिस) में ड। कर रही हूं। मैं एक शोध अध्ययन कर रही हूं जिसका शीर्षक हैरूष्मातृत्व और इसकी चुनौतियाँरू ग्रामीण उत्तर प्रदेश में एकल माताओं पर एक अध्ययनष् यह अध्ययन वाराणसी के ग्रामीण क्षेत्रों में एकल माताओं (विधवा, तलाकशुदा, अलग, अविवाहित) के जीवन के अनुभवों का पता लगाने का प्रयास करता है, जो उनके सामने आने वाली भावनात्मक, वित्तीय और सामाजिक चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करता है। मैंने कथा–आधारित, संवेदनशील और सार्थक डेटा एकत्र करने के लिए गहन साक्षात्कार को उपकरण के रूप में चुना है. इसके लिए मैंने लोक चेतना समिति वाराणसी के कार्य क्षेत्र में 10 महिलाओं के साथ अध्ययन किया। मेरा अनुभव बहुत अच्छा था, गाव की महिलाओं और संस्था के कार्यकर्ता बहुत सहयोगी थे जिससे मुझे डेटा संग्रह प्रक्रिया पूरा करने में बहुत सहयोग मिला

## चेतना छात्रावास के बच्चियों के अभिभावक साथ बैठक

लोक चेतना समिति के चेतना छात्रावास के बच्चियों को ग्रीष्म कालीन अवकाश में भेजने से पहले उनके अभिभावको के साथ एक बैठक किया गया था । छात्रावास की शिक्षिका सावित्री ने बच्चियों के साल भर के पढाई के रिजल्ट और अन्य उपलब्धि अभिभावकों के सामने रखा। उनको बहुत अच्छा लगा। सावित्री मैडम ने उनको बताया की छात्रावास में पढ़ाई के साथ–साथ बहुत अन्य मौके दिये जाते हैं, नेतृत्व विकास एवं आत्मविश्वाश बढ़ाने हेतु प्रसिक्षण एवं अवसर दिया जाता है। जीवन संबंध बहुत सारी जानकारी दी जाती है, ताकि, इन बच्चियाँ आगे बढ़कर अपने उज्ज्वल भविष्य रचा सकें । सावित्री मैडम ने बच्चियों को छुट्टी के समय पढ़ाई जारी रखने

के उद्धेश्य से कुछ होमवर्क देकर अभिभावकों को जिम्मेदारी भी सौंबा है, ताकि, छुट्टी के दिन कुछ समय पढ़ाई में बिताएँ । बैठक के बाद सभी बच्चियाँ अपने अभिभावक के साथ ग्रीष्म कालीन अवकाश के लिए घर की ओर प्रस्थान हुए।

## स्टेप्पिंग स्टोन्स

दो वर्ष पहले यहा से पढ़कर निकली पाँच छात्राओं ने 10 वी की शिक्षा, संकट मोचन ईण्टर कालेज, सारनाथ, से ग्रहण किया है । इन छत्राओं ने अपने स्कूल में शीर्ष स्थान (नंदनी 81: शिखा 80: आकांक्षा 78: रूबी 76: और कुसुम 71: ) प्राप्त किया है। यह छात्रावास के लिए गर्व की बात है। उससे बढ़कर इन बच्चियों के लिए एक बढ़ी उपलब्धि है। इससे उनका आत्मविश्वास और बढ़ा है, तथा आगे पढ़ाई केलिए प्रेरणादायक साबित हुआ है। वे पढ़ाई जारी रखने का वादा की हैं और उनके अभिभावक हर तरह का सहयोग करने की जिम्मेदारी लिए हैं। यहाँ तक इन बच्चियों को पहुंचाना एवं अभिभावकों के मन में बच्चियों के पढ़ाई के प्रति रुचि लाना आसान नहीं था। गर्व कि बात है कि, चार वर्ष पहले चेतना छात्रावास से पढ़कर निकली छः छात्राओं में चार हाई स्कूल व दो छात्रा महाबोधि इंटर कालेज, सारनाथ, से इंटर पास की हैं। दोनों ने 66: अंक पाया है। उनमें से एक लड़की लखनऊ में सेकट्रीएट कोर्स कर रही है।

## –: सम्पर्क :–

### लोक चेतना समिति

चिरईगाँव ब्लाक मुख्यालय के पास
पो.– बरियासनपुर, वाराणसी – 221112
फोन – 0542 2616289, मो. 9450249555,

### आर्थिक सहयोग के लिए जानकारी

Name - Lok Chetana Samiti
Bank - SBI, Sarnath
Account Number - 10255120233
IFSC - SBIN0004560

loksamiti@vahoo.co.in lcsvaranasi@gmail.com, www.lcsvns.org

https://www.facebook.com/public/Lok-Chetana-Samiti-Varanasi http://lcsvns.org/